॥ श्रीहरिः ॥ 1704

श्रीसीतासहस्रनामस्तोत्रम्

(नामावलिसहितम्)

(संक्षिप्त प्रयोग-विधिसहित)



॥ श्रीहरिः॥

संक्षिप्त प्रयोग-विधि

सर्वप्रथम स्नान आदिसे पवित्र हो जाय। जब सहस्त्रनामस्तोत्रका पाठ करना हो अथवा सहस्त्रार्चन करना हो, श्रीसीताजीकी प्रतिमाको अपने सम्मुख किसी काष्ठपीठ आदिपर यथाविधि स्थापित कर ले, अपने बैठनेका आसन भी लगा ले। पूजन आदिकी सभी सामग्रियोंको यथास्थान रखकर अपने आसनपर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख बैठ जाय। दीपक जलाकर पूर्वाभिमुख रख दे और हाथ धो ले। **'दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते'** कहकर पुष्प अर्पितकर कर्मसाक्षी दीपकका पूजन कर ले। तिलक लगा ले तथा निम्न मन्त्रोंसे आचमन करे—

'ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।' तथा **'ॐ हृषीकेशाय नमः'** कहकर हाथ धो ले।

निम्न मन्त्रसे अपने ऊपर जल छिड़ककर मार्जन कर ले—

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

तदनन्तर दाहिने हाथमें जल, पुष्प तथा अक्षत लेकर निम्न संकल्प करे—

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशे ·····नगरे/ग्रामे ·····वैक्रमाब्दे

....संवत्सरे ....मासे ....पक्षे ....तिथौ ....वासरे ....गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्तोऽहं श्रीसीताप्रीत्यर्थं* सहस्त्रनामस्तोत्रपाठं करिष्ये। (यदि सहस्त्रार्चन करना हो तो '**सहस्त्रनामार्चनं करिष्ये**'—ऐसा बोलना चाहिये।)

हाथका जलाक्षत छोड़ दे। कार्यकी निर्विघ्न सिद्धिके लिये श्रीगणेशजीका स्मरण कर ले।

इसके बाद नीचे लिखे मन्त्रोंसे पंचोपचार मानस-पूजन करके स्तोत्रका पाठ करना चाहिये—

---

* अगर किसी कामनाकी सिद्धिके लिये सहस्त्रार्चन करना हो तो संकल्पमें '**यथेप्सितकार्यसिद्धिद्वारा...... श्रीसीताप्रीत्यर्थं यथालब्धोपचारैः पूजनपूर्वकं...... द्रव्यैः सहस्त्रार्चनं करिष्ये**'—ऐसी योजना कर ले।

मानस-पूजन—

१-ॐ लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं पृथिवीरूप गन्ध (चन्दन) आपको अर्पित करता हूँ।)

२-ॐ हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं आकाशरूप पुष्प आपको अर्पित करता हूँ।)

३-ॐ यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं वायुदेवके रूपमें धूप आपको प्रदान करता हूँ।)

४-ॐ रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।

(प्रभो! मैं अग्निदेवके रूपमें दीपक आपको प्रदान करता हूँ।)

५-ॐ वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।

(प्रभो! मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूँ।)

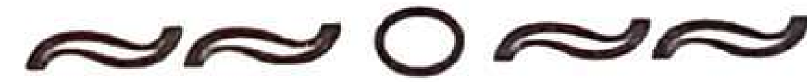
६-ॐ सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।

(प्रभो! मैं सर्वात्माके रूपमें संसारके सभी उपचारोंको आपके चरणोंमें समर्पित करता हूँ।)

इन मन्त्रोंसे भावनापूर्वक मानसपूजा की जा सकती है।

सहस्रार्चन करते समय उपलब्ध सामग्रियोंसे षोडशोपचार या पंचोपचार-पूजन करना चाहिये, तदनन्तर सहस्रनामावलीके प्रत्येक नाममन्त्रसे सामग्री इष्टदेवपर चढ़ाये। स्त्रियों तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है, उन्हें प्रत्येक

नामके पहले '**ॐ**' के स्थानपर '**श्री**' शब्दका प्रयोग करना चाहिये, जैसे—'**श्रीसीतादेव्यै नमः।**' अन्तमें आरती, पुष्पांजलि तथा क्षमा-प्रार्थना करके अर्चनको पूर्ण करे।



॥ श्रीरस्तु ॥

श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रम्

ब्रह्मणो वचनं श्रुत्वा रामः कमललोचनः ।
प्रोन्मील्य शनकैरक्षि वेपमानो महाभुजः ॥ १ ॥

प्रणम्य शिरसा भूमौ तेजसा चापि विह्वलः ।
भीतः कृताञ्जलिपुटः प्रोवाच परमेश्वरीम् ॥ २ ॥

का त्वं देवि विशालाक्षि शशाङ्कावयवाङ्किते।
न जाने त्वां महादेवि यथावद् ब्रूहि पृच्छते॥ ३॥

रामस्य वचनं श्रुत्वा ततः सा परमेश्वरी।
व्याजहार रघुश्रेष्ठं योगिनामभयप्रदा॥ ४॥

मां विद्धि परमां शक्तिं महेश्वरसमाश्रयाम्।
अनन्यामव्ययामेकां यां पश्यन्ति मुमुक्षवः॥ ५॥

अहं वै सर्वभावानामात्मा सर्वान्तरा शिवा।
शाश्वती सर्वविज्ञाना सर्वमूर्तिप्रवर्तिका॥ ६॥

अनन्तानन्तमहिमा संसारार्णवतारिणी।
दिव्यं ददामि ते चक्षुः पश्य मे पदमैश्वरम्॥ ७॥

इत्युक्त्वा विररामैषा रामोऽपश्यच्च्व तत्पदम्।
कोटिसूर्यप्रतीकाशं विष्वक्तेजो निराकुलम्॥ ८॥

ज्वालावली सहस्त्राढ्यं कालानलशतोपमम्।
दंष्ट्राकरालदुर्धर्षं जटामण्डलमण्डितम्॥ ९ ॥
त्रिशूलवरहस्तं च घोररूपं भयावहम्।
प्रशाम्यत्सौम्यवदनमनन्तैश्वर्यसंयुतम् ॥ १० ॥
चन्द्रावयवलक्ष्माढ्यं चन्द्रकोटिसमप्रभम्।
किरीटिनं गदाहस्तं नूपुरैरुपशोभितम्॥ ११ ॥

दिव्यमालाम्बरधरं दिव्यगन्धानुलेपनम् ।
शङ्खचक्रकरं काम्यं त्रिनेत्रं कृत्तिवाससम् ॥ १२ ॥

अन्तःस्थं चाण्डबाह्यस्थं बाह्याभ्यन्तरतः परम् ।
सर्वशक्तिमयं शान्तं सर्वाकारं सनातनम् ॥ १३ ॥

ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रयोगीन्द्रैरीड्यमानपदाम्बुजम् ।
सर्वतः पाणिपादं तत्सर्वतोऽक्षिशिरोमुखम् ॥ १४ ॥

सर्वमावृत्य तिष्ठन्तं ददर्श पदमैश्वरम्।
दृष्ट्वा च तादृशं रूपं दिव्यं माहेश्वरं पदम्॥ १५॥
तयैव च समाविष्टः स रामो हृतमानसः।
आत्मन्याधाय चात्मानमोंकारं समनुस्मरन्॥ १६॥
नाम्नामष्टसहस्रेण तुष्टाव परमेश्वरीम्।
ॐसीतोमा परमा शक्तिरनन्तानिष्कलामला॥ १७॥

शान्ता महेश्वरी नित्या शाश्वती परमाक्षरा।
अचिन्त्या केवलानन्ता शिवात्मा परमात्मिका॥ १८॥

अनादिरव्यया शुद्धा देवात्मा सर्वगोचरा।
एकानेकविभागस्था मायातीता सुनिर्मला॥ १९॥

महामाहेश्वरी शक्ता महादेवी निरञ्जना।
काष्ठा सर्वान्तरस्था च चिच्छक्तिरतिलालसा॥ २०॥

जानकी मिथिलानन्दा राक्षसान्तविधायिनी ।
रावणान्तकरी रम्या रामवक्षःस्थलालया ॥ २१ ॥

उमा सर्वात्मिका विद्या ज्योतीरूपायुताक्षरी ।
शान्तिः प्रतिष्ठा सर्वेषां निवृत्तिरमृतप्रदा ॥ २२ ॥

व्योममूर्तिर्व्योममयी व्योमाधाराच्युता लता ।
अनादिनिधना योषा कारणात्मा कलाकुला ॥ २३ ॥

नन्दप्रथमजा नाभिरमृतस्यान्तसंश्रया।
प्राणेश्वरप्रिया माता महामहिषवाहना॥ २४॥

प्राणेश्वरी प्राणरूपा प्रधानपुरुषेश्वरी।
सर्वशक्तिः कलाकाष्ठाज्योत्स्नेन्दोर्महिमास्पदा॥ २५॥

सर्वकार्यनियन्त्री च सर्वभूतेश्वरेश्वरी।
अनादिरव्यक्तगुणा महानन्दा सनातनी॥ २६॥

आकाशयोनिर्योगस्था सर्वयोगेश्वरेश्वरी।
शवासना चितान्तस्था महेशवृषवाहना॥ २७॥
बालिका तरुणी वृद्धा वृद्धमाता जरातुरा।
महामाया सुदुष्पूरा मूलप्रकृतिरीश्वरी॥ २८॥
संसारयोनिः सकला सर्वशक्तिसमुद्भवा।
संसारसारा दुर्वारा दुर्निरीक्ष्या दुरासदा॥ २९॥

प्राणशक्तिः प्राणविद्या योगिनी परमा कला।
महाविभूतिर्दुर्धर्षा मूलप्रकृतिसम्भवा॥ ३०॥

अनाद्यनन्तविभवा परात्मा पुरुषा बली।
सर्गस्थित्यन्तकरणी सुदुर्वाच्या दुरत्यया॥ ३१॥

शब्दयोनिः शब्दमयी नादाख्या नादविग्रहा।
प्रधानपुरुषातीता प्रधानपुरुषात्मिका॥ ३२॥

पुराणी चिन्मयी पुंसामादिः पुरुषरूपिणी।
भूतान्तरात्मा कूटस्था महापुरुषसंज्ञिता॥ ३३॥
जन्ममृत्युजरातीता सर्वशक्तिसमन्विता।
व्यापिनी चानवच्छिन्ना प्रधानासुप्रवेशिनी॥ ३४॥
क्षेत्रज्ञा शक्तिरव्यक्तलक्षणा मलवर्जिता।
अनादिमायासम्भिन्ना त्रितत्त्वा प्रकृतिर्गुणः॥ ३५॥

महामायासमुत्पन्ना तामसी पौरुषी ध्रुवा।
व्यक्ताव्यक्तात्मिका कृष्णरक्तशुक्लप्रसूतिका॥ ३६॥

स्वकार्या कार्यजननी ब्रह्मास्या ब्रह्मसंश्रया।
व्यक्ता प्रथमजा ब्राह्मी महती ज्ञानरूपिणी॥ ३७॥

वैराग्यैश्वर्यधर्मात्मा ब्राह्ममूर्तिर्हृदिस्थिता।
जयदा जित्वरी जैत्री जयश्रीर्जयशालिनी॥ ३८॥

सुखदा शुभदा सत्या शुभा संक्षोभकारिणी।
अपांयोनिः स्वयम्भूतिर्मानसी तत्त्वसम्भवा॥ ३९॥

ईश्वराणी च शर्वाणी शंकरार्धशरीरिणी।
भवानी चैव रुद्राणी महालक्ष्मीरथाम्बिका॥ ४०॥

माहेश्वरी समुत्पन्ना भुक्तिमुक्तिफलप्रदा।
सर्वेश्वरी सर्ववर्णा नित्या मुदितमानसा॥ ४१॥

ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रनमिता शंकरेच्छानुवर्तिनी।
ईश्वरार्धासनगता रघूत्तमपतिव्रता॥ ४२॥

सकृद्विभाविता सर्वा समुद्रपरिशोषिणी।
पार्वती हिमवत्पुत्री परमानन्ददायिनी॥ ४३॥

गुणाढ्या योगदा योग्या ज्ञान मूर्तिविकासिनी।
सावित्री कमला लक्ष्मीः श्रीरनन्तोरसि स्थिता॥ ४४॥

सरोजनिलया शुभ्रा योगनिद्रा सुदर्शना।
सरस्वती सर्वविद्या जगज्ज्येष्ठा सुमङ्गला॥ ४५॥

वासवी वरदा वाच्या कीर्तिः सर्वार्थसाधिका।
वागीश्वरी सर्वविद्या महाविद्या सुशोभना॥ ४६॥

गुह्यविद्याऽऽत्मविद्या च सर्वविद्याऽऽत्मभाविता।
स्वाहा विश्वम्भरी सिद्धिः स्वधा मेधा धृतिः श्रुतिः॥ ४७॥

नाभिः सुनाभिः सुकृतिर्माधवी नरवाहिनी।
पूज्या विभावरी सौम्या भगिनी भोगदायिनी ॥ ४८ ॥

शोभा वंशकरी लीला मानिनी परमेष्ठिनी।
त्रैलोक्यसुन्दरी रम्या सुन्दरी कामचारिणी ॥ ४९ ॥

महानुभावमध्यस्था महामहिषमर्दिनी।
पद्ममाला पापहरा विचित्रमुकुटानना ॥ ५० ॥

कान्ता चित्राम्बरधरा दिव्याभरणभूषिता।
हंसाख्या व्योमनिलया जनसृष्टिविवर्धिनी॥ ५१॥
निर्यन्त्रा मन्त्रवाहस्था नन्दिनी भद्रकालिका।
आदित्यवर्णा कौमारी मयूरवरवाहिनी॥ ५२॥
वृषासनगता गौरी महाकाली सुरार्चिता।
अदितिर्नियता रौद्री पद्मगर्भा विवाहना॥ ५३॥

विरूपाक्षी लेलिहाना महासुरविनाशिनी।
महाफलानवद्याङ्गी कामपूरा विभावरी॥ ५४॥
विचित्ररत्नमुकुटा प्रणतर्धिविवर्धिनी।
कौशिकी कर्षिणी रात्रिस्त्रिदशार्तिविनाशिनी॥ ५५॥
विरूपा च सुरूपा च भीमा मोक्षप्रदायिनी।
भक्तार्तिनाशिनी भव्या भवभावविनाशिनी॥ ५६॥

निर्गुणा नित्यविभवा निस्सारा निरपत्रपा।
यशस्विनी सामगतिर्भवाङ्गनिलयालया॥ ५७॥

दीक्षा विद्याधरी दीप्ता महेन्द्रविनिपातिनी।
सर्वातिशायिनी विद्या सर्वशक्तिप्रदायिनी॥ ५८॥

सर्वेश्वरप्रिया तार्क्ष्यी समुद्रान्तरवासिनी।
अकलङ्का निराधारा नित्यसिद्धा निरामया॥ ५९॥

कामधेनुर्वेदगर्भा धीमती मोहनाशिनी।
निस्संकल्पा निरातङ्का विनया विनयप्रदा॥ ६०॥

ज्वाला माला सहस्त्राढ्या देवदेवी मनोन्मनी।
उर्वी गुर्वी गुरुः श्रेष्ठा सुगुणा षड्गुणात्मिका॥ ६१॥

महाभगवती भव्या वसुदेवसमुद्भवा।
महेन्द्रोपेन्द्रभगिनी भक्तिगम्यपरायणा॥ ६२॥

ज्ञानज्ञेया जरातीता वेदान्तविषयागतिः।
दक्षिणा दहना बाह्या सर्वभूतनमस्कृता॥ ६३॥
योगमाया विभावज्ञा महामोहा महीयसी।
सत्या सर्वसमूद्भूतिर्ब्रह्मवृक्षाश्रया मतिः॥ ६४॥
बीजाङ्कुरसमुद्भूतिर्महाशक्तिर्महामतिः ।
ख्यातिः प्रतिज्ञा चित्संविन्महायोगेन्द्रशायिनी॥ ६५॥

विकृतिः शांकरी शास्त्री यक्षगन्धर्वसेविता।
वैश्वानरी महाशाला देवसेना गुहप्रिया॥ ६६॥

महारात्रिः शिवानन्दा शची दुःस्वप्ननाशिनी।
पूज्याऽऽपूज्या जगद्धात्री दुर्विज्ञेयस्वरूपिणी॥ ६७॥

गुहाम्बिका गुहोत्पत्तिर्महापीठा मरुत्सुता।
हव्यवाहान्तरा गार्गी हव्यवाहसमुद्भवा॥ ६८॥

जगद्योनिर्जगन्माता जगन्मृत्युर्जरातिगा।
बुद्धिर्माता बुद्धिमती पुरुषान्तरवासिनी ॥ ६९ ॥
तपस्विनी समाधिस्था त्रिनेत्रा दिविसंस्थिता।
सर्वेन्द्रियमनोमाता सर्वभूतहृदिस्थिता ॥ ७० ॥
संसारतारिणी विद्या ब्रह्मवादिमनोलया।
ब्रह्माणी बृहती ब्राह्मी ब्रह्मभूता भयावनिः ॥ ७१ ॥

हिरण्मयी महारात्रिः संसारपरिवर्तिका ।
सुमालिनी सुरूपा च तारिणी भाविनी प्रभा ॥ ७२ ॥
उन्मीलिनी सर्वसहा सर्वप्रत्ययसाक्षिणी ।
तपिनी तापिनी विश्वा भोगदा धारिणी धरा ॥ ७३ ॥
सुसौम्या चन्द्रवदना ताण्डवासक्तमानसा ।
सत्त्वशुद्धिकरी शुद्धिर्मलत्रयविनाशिनी ॥ ७४ ॥

जगत्प्रिया जगन्मूर्तिस्त्रिमूर्तिरमृताश्रया।
निराश्रया निराहारा निरङ्कुशरणोद्भवा॥ ७५॥
चक्रहस्ता विचित्राङ्गी स्त्रग्विणी पद्मधारिणी।
परापरविधानज्ञा महापुरुषपूर्वजा॥ ७६॥
विद्येश्वरप्रिया विद्या विद्युज्जिह्वा जितश्रमा।
विद्यामयी सहस्त्राक्षी सहस्त्रश्रवणात्मजा॥ ७७॥

सहस्ररश्मिपद्मस्था महेश्वरपदाश्रया।
ज्वालिनी सद्मना व्याप्ता तेजसी पद्मरोधिका॥ ७८॥

महादेवाश्रया मान्या महादेवमनोरमा।
व्योमलक्ष्मीः सिंहरथा चेकितान्यमितप्रभा॥ ७९॥

विश्वेश्वरी विमानस्था विशोका शोकनाशिनी।
अनाहता कुण्डलिनी नलिनी पद्मवासिनी॥ ८०॥

शतानन्दा सतां कीर्तिः सर्वभूताशयस्थिता।
वाग्देवता ब्रह्मकला कलातीता कलावती॥ ८१॥
ब्रह्मर्षिर्ब्रह्महृदया ब्रह्मविष्णुशिवप्रिया।
व्योमशक्तिः क्रियाशक्तिः जनशक्तिः परागतिः॥ ८२॥
क्षोभिका रौद्रिकाभेद्या भेदाभेदविवर्जिता।
अभिन्ना भिन्नसंस्थाना वंशिनी वंशहारिणी॥ ८३॥

गुह्यशक्तिर्गुणातीता सर्वदा सर्वतोमुखी ।
भगिनी भगवत्पत्नी सकला कालकारिणी ॥ ८४ ॥

सर्ववित् सर्वतोभद्रा गुह्यातीता गुहावलिः ।
प्रक्रिया योगमाता च गन्धा विश्वेश्वरेश्वरी ॥ ८५ ॥

कपिला कपिलाकान्ता कनकाभा कलान्तरा ।
पुण्या पुष्करिणी भोक्त्री पुरंदरपुरस्सरा ॥ ८६ ॥

पोषणी परमैश्वर्यभूतिदा भूतिभूषणा।
पञ्चब्रह्मसमुत्पत्तिः परमात्माऽऽत्मविग्रहा॥ ८७॥
नर्मोदया भानुमती योगिज्ञेया मनोजवा।
बीजरूपा रजोरूपा वशिनी योगरूपिणी॥ ८८॥
सुमन्त्रा मन्त्रिणी पूर्णा ह्लादिनी क्लेशनाशिनी।
मनोहरा मनोरक्षी तापसी वेदरूपिणी॥ ८९॥

वेदशक्तिर्वेदमाता वेदविद्याप्रकाशिनी।
योगेश्वरेश्वरी माला महाशक्तिर्मनोमयी॥ १०॥

विश्वावस्था वीरमुक्तिर्विद्युन्माला विहायसी।
पीवरी सुरभी वन्द्या नन्दिनी नन्दवल्लभा॥ ११॥

भारती परमानन्दा परापरविभेदिका।
सर्वप्रहरणोपेता काम्या कामेश्वरेश्वरी॥ १२॥

अचिन्त्या चिन्त्यमहिमा दुर्लेखा कनकप्रभा।
कूष्माण्डी धनरत्नाढ्या सुगन्धा गन्धदायिनी॥ १३॥
त्रिविक्रमपदोद्भूता धनुष्पाणिः शिरोहया।
सुदुर्लभा धनाध्यक्षा धन्या पिङ्गललोचना॥ १४॥
भ्रान्तिः प्रभावती दीप्तिः पङ्कजायतलोचना।
आद्या हृत्कमलोद्भूता परा माता रणप्रिया॥ १५॥

सत्क्रिया गिरिजा नित्यशुद्धा पुष्पनिरन्तरा।
दुर्गा कात्यायनी चण्डी चर्चिका शान्तविग्रहा॥ १६॥
हिरण्यवर्णा रजनी जगन्मन्त्रप्रवर्तिका।
मन्दराद्रिनिवासा च शारदा स्वर्णमालिनी॥ १७॥
रत्नमाला रत्नगर्भा पृथ्वी विश्वप्रमाथिनी।
पद्मासना पद्मनिभा नित्यतुष्टामृतोद्भवा॥ १८॥

धुन्वती दुष्प्रकम्पा च सूर्यमाता दृषद्वती।
महेन्द्रभगिनी माया वरेण्या वरदर्पिता॥ ९९ ॥

कल्याणी कमला रामा पञ्चभूतवरप्रदा।
वाच्या परेश्वरी नन्द्या दुर्जया दुरतिक्रमा॥ १०० ॥

कालरात्रिर्महावेगा वीरभद्रहितप्रिया।
भद्रकाली जगन्माता भक्तानां भद्रदायिनी॥ १०१ ॥

कराला पिङ्गलाकारा सामवेदा महानदा।
तपस्विनी यशोदा च यथाध्वपरिवर्त्तिनी॥ १०२॥

शङ्खिनी पद्मिनी सांख्या सांख्ययोगप्रवर्तिका।
चैत्री संवत्सरा रुद्रा जगत्सम्पूरणीन्द्रजा॥ १०३॥

शुम्भारिः खेचरी खस्था कम्बुग्रीवा कलिप्रिया।
खरध्वजा खरारूढा पराध्यर्या परमालिनी॥ १०४॥

ऐश्वर्यरत्ननिलया विरक्ता गरुडासना।
जयन्ती हृद्गुहा रम्या सत्त्ववेगा गणाग्रणीः॥ १०५॥
संकल्पसिद्धा साम्यस्था सर्वविज्ञानदायिनी।
कलिकल्मषहन्त्री च गुह्योपनिषदुत्तमा॥ १०६॥
नित्यदृष्टिः स्मृतिर्व्याप्तिः पुष्टिस्तुष्टिः क्रियावती।
विश्वामरेश्वरेशाना भुक्तिर्मुक्तिः शिवामृता॥ १०७॥

लोहिता सर्वमाता च भीषणा वनमालिनी।
अनन्तशयनानाद्या नरनारायणोद्भवा॥ १०८॥

नृसिंही दैत्यमथिनी शङ्खचक्रगदाधरा।
संकर्षणसमुत्पत्तिरम्बिकोपान्तसंश्रया॥ १०९॥

महाज्वाला महामूर्तिः सुमूर्तिः सर्वकामधुक्।
सुप्रभा सुतरां गौरी धर्मकामार्थमोक्षदा॥ ११०॥

भ्रूमध्यनिलयापूर्वा प्रधानपुरुषा बली।
महाविभूतिदा मध्या सरोजनयनासना॥ १११॥

अष्टादशभुजा नाट्या नीलोत्पलदलप्रभा।
सर्वशक्त्या समारूढा धर्माधर्मानुवर्जिता॥ ११२॥

वैराग्यज्ञाननिरता निरालोका निरिन्द्रिया।
विचित्रगहना धीरा शाश्वतस्थानवासिनी॥ ११३॥

स्थानेश्वरी निरानन्दा त्रिशूलवरधारिणी।
अशेषदेवतामूर्तिर्देवता परदेवता ॥ ११४ ॥

गणात्मिका गिरेःपुत्री निशुम्भविनिपातिनी।
अवर्णा वर्णरहिता निर्वर्णा बीजसम्भवा ॥ ११५ ॥

अनन्तवर्णानन्यस्था शंकरी शान्तमानसा।
अगोत्रा गोमती गोप्त्री गुह्यरूपा गुणान्तरा ॥ ११६ ॥

गोश्रीर्गव्यप्रिया गौरी गणेश्वरनमस्कृता।
सत्यमात्रा सत्यसंधा त्रिसंध्या संधिवर्जिता॥ ११७॥
सर्ववादाश्रया सांख्या सांख्ययोगसमुद्भवा।
असंख्येयाप्रमेयाख्या शून्या शुद्ध कुलोद्भवा॥ ११८॥
विन्दुनादसमुत्पत्तिः शम्भुवामा शशिप्रभा।
विसङ्गा भेदरहिता मनोज्ञा मधुसूदनी॥ ११९॥

महाश्रीः श्रीसमुत्पत्तिस्तमःपारेप्रतिष्ठिता।
त्रितत्त्वमाता त्रिविधा सुसूक्ष्मपदसंश्रया॥ १२०॥
शान्त्यतीता मलातीता निर्विकारा निराश्रया।
शिवाख्या चित्रनिलया शिवज्ञानस्वरूपिणी॥ १२१॥
दैत्यदानवनिर्मात्री काश्यपी कालकर्णिका।
शास्त्रयोनिः प्रियामूर्तिश्चतुर्वर्गप्रदर्शिता॥ १२२॥

नारायणी नवोद्भूता कौमुदी लिङ्गधारिणी।
कामुकी ललिता तारा परापरविभूतिदा॥ १२३॥

परान्तजातमहिमा वडवा वामलोचना।
सुभद्रा देवकी सीता वेदवेदाङ्गपारगा॥ १२४॥

मनस्विनी मन्युमाता महामन्युसमुद्भवा।
अमृत्युरमृतास्वादा पुरुहूता पुरुप्लुता॥ १२५॥

अशोच्या भिन्नविषया हिरण्यरजतप्रिया ।
हिरण्या राजती हैमी हेमाभरणभूषिता ॥ १२६ ॥

विभ्राजमाना दुर्ज्ञेया ज्योतिष्टोमफलप्रदा ।
महानिद्रासमुद्भूता बलीन्द्रा सत्यदेवता ॥ १२७ ॥

दीर्घा ककुद्मिनी विद्या शान्तिदा शान्तिवर्धिनी ।
लक्ष्म्यादिशक्ति जननी शक्तिचक्रप्रवर्तिका ॥ १२८ ॥

त्रिशक्तिजननी जन्या षडूर्मिपरिवर्जिता।
स्वाहा च कर्मकरणी युगान्तदलनात्मिका॥ १२९॥

संकर्षणा जगद्धात्री कामयोनिः किरीटिनी।
ऐन्द्री त्रैलोक्यनमिता वैष्णवी परमेश्वरी॥ १३०॥

प्रद्युम्नदयिता दान्ता युग्मदृष्टिस्त्रिलोचना।
महोत्कटा हंसगतिः प्रचण्डा चण्डविक्रमा॥ १३१॥

वृषावेशा वियन्मात्रा विन्ध्यपर्वतवासिनी ।
हिमवन्मेरुनिलया कैलासगिरिवासिनी ॥ १३२ ॥

चाणूरहन्त्री तनया नीतिज्ञा कामरूपिणी ।
वेदविद्याव्रतरता धर्मशीलानिलाशना ॥ १३३ ॥

अयोध्यानिलया वीरा महाकालसमुद्भवा ।
विद्याधरक्रिया सिद्धा विद्याधरनिराकृतिः ॥ १३४ ॥

आप्यायन्ती वहन्ती च पावनी पोषणी खिला।
मातृका मन्मथोद्भूता वारिजा वाहनप्रिया ॥ १३५ ॥
करीषिणी स्वधा वाणी वीणावादनतत्परा।
सेविता सेविका सेवा सिनीवाली गरुत्मती ॥ १३६ ॥
अरुन्धती हिरण्याक्षी मणिदा श्रीवसुप्रदा।
वसुमती वसोर्धारा वसुन्धरासमुद्भवा ॥ १३७ ॥

वरारोहा वरार्हा चावपुस्सङ्गसमुद्भवा।
श्रीफला श्रीमती श्रीशा श्रीनिवासा हरिप्रिया॥ १३८॥

श्रीधरी श्रीकरी कम्प्रा श्रीधरा ईशवीरणी।
अनन्तदृष्टिरक्षुद्रा धात्रीशा धनदप्रिया॥ १३९॥

निहन्त्री दैत्यसिंहानां सिंहिका सिंहवाहिनी।
सुसेना चन्द्रनिलया सुकीर्तिश्छिन्नसंशया॥ १४०॥

बलज्ञा बलदा वामा लेलिहानामृतास्त्रवा।
नित्योदिता स्वयंज्योतिरुत्सुकामृतजीविनी॥ १४१॥
वज्रदंष्ट्रा वज्रजिह्वा वैदेही वज्रविग्रहा।
मङ्गल्या मङ्गला माला मलिना मलहारिणी॥ १४२॥
गान्धर्वी गारुडी चान्द्री कम्बलाश्वतरप्रिया।
सौदामनी जनानन्दा भ्रुकुटीकुटिलानना॥ १४३॥

कर्णिकारकरा कक्षा कंसप्राणापहारिणी।
युगंधरा युगावर्ता त्रिसंध्या हर्षवर्धिनी॥ १४४॥

प्रत्यक्षदेवता दिव्या दिव्यगन्धा दिवापरा।
शक्रासनगता शाक्री साध्वी नारी शवासना॥ १४५॥

इष्टा विशिष्टा शिष्टेष्टा शिष्टाशिष्टप्रपूजिता।
शतरूपा शतावर्ता विनीता सुरभिः सुरा॥ १४६॥

सुरेन्द्रमाता सुद्युम्ना सुषुम्णा सूर्यसंस्थिता।
समीक्षा सत्प्रतिष्ठा च निवृत्तिर्ज्ञानपारगा॥ १४७॥

धर्मशास्त्रार्थकुशला धर्मज्ञा धर्मवाहना।
धर्माधर्मविनिर्मात्री धार्मिकाणां शिवप्रदा॥ १४८॥

धर्मशक्तिर्धर्ममयी विधर्मा विश्वधर्मिणी।
धर्मान्तरा धर्ममध्या धर्मपूर्वा धनप्रिया॥ १४९॥

धर्मोपदेशा धर्मात्मा धर्मलभ्या धराधरा।
कपाली शाकलामूर्तिः कलाकलितविग्रहा ॥ १५० ॥
सर्वशक्तिविनिर्मुक्ता सर्वशक्त्याश्रयाश्रया।
सर्वा सर्वेश्वरी सूक्ष्मा सुसूक्ष्मा ज्ञानरूपिणी ॥ १५१ ॥
प्रधानपुरुषेशानी महापुरुषसाक्षिणी।
सदाशिवा वियन्मूर्तिर्देवमूर्तिरमूर्तिका ॥ १५२ ॥

एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव रघुनन्दनः।
कृताञ्जलिपुटो भूत्वा सीतां हृष्टतनूरुहाम्॥ १५३॥
भारद्वाज महाभाग यश्चैतत् स्तोत्रमद्भुतम्।
पठेद्वा पाठयेद्वापि स याति परमं पदम्॥ १५४॥
ब्रह्मक्षत्रियविड्योनिर्ब्रह्म प्राप्नोति शाश्वतम्।
शूद्रः सद्गतिमाप्नोति धनधान्यविभूतयः॥ १५५॥

भवन्ति स्तोत्रमाहात्म्यादेतत्स्वस्त्ययनं महत्।
मारीभये राजभये तथा चोराग्निजे भये॥ १५६॥

व्याधीनां प्रभवे घोरे शत्रूत्थाने च संकटे।
अनावृष्टिभये विप्र सर्वशान्तिकरं परम्॥ १५७॥

यद्यद्दिष्टतमं यस्य तत्सर्वं स्तोत्रतो भवेत्।
यत्रैतत्पठ्यते सम्यक्सीतानामसहस्त्रकम्॥ १५८॥

रामेण सहिता देवी तत्र तिष्ठत्यसंशयम्।
महापापातिपापानि विलयं यान्ति सुव्रत॥ १५९॥

इत्यार्षे श्रीमद्रामायणे वाल्मीकीये आदिकाव्ये अद्भुतोत्तरकाण्डे
सीतासहस्रनामस्तोत्रकथनं नाम पञ्चविंशस्सर्गः॥



श्रीसीतासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ सीतायै नमः।
२ ॐ उमायै नमः।
३ ॐ परमायै नमः।
४ ॐ शक्त्यै नमः।
५ ॐ अनन्तायै नमः।
६ ॐ निष्कलायै नमः।
७ ॐ अमलायै नमः।
८ ॐ शान्तायै नमः।
९ ॐ महेश्वर्यै नमः।
१० ॐ नित्यायै नमः।
११ ॐ शाश्वत्यै नमः।
१२ ॐ परमाक्षरायै नमः।
१३ ॐ अचिन्त्यायै नमः।
१४ ॐ केवलायै नमः।

१५ ॐ अनन्तायै नमः।
१६ ॐ शिवात्मने नमः।
१७ ॐ परमात्मिकायै नमः।
१८ ॐ अनाद्यै नमः।
१९ ॐ अव्ययायै नमः।
२० ॐ शुद्धायै नमः।
२१ ॐ देवात्मने नमः।
२२ ॐ सर्वगोचरायै नमः।
२३ ॐ एकानेकविभागस्थायै नमः।
२४ ॐ मायातीतायै नमः।
२५ ॐ सुनिर्मलायै नमः।
२६ ॐ महामाहेश्वर्यै नमः।
२७ ॐ शक्तायै नमः।
२८ ॐ महादेव्यै नमः।
२९ ॐ निरञ्जनायै नमः।
३० ॐ काष्ठायै नमः।

३१ ॐ सर्वान्तरस्थायै नमः।
३२ ॐ चिच्छक्त्यै नमः।
३३ ॐ अतिलालसायै नमः।
३४ ॐ जानक्यै नमः।
३५ ॐ मिथिलानन्दायै नमः।
३६ ॐ राक्षसान्तविधायिन्यै नमः।
३७ ॐ रावणान्तकर्यै नमः।
३८ ॐ रम्यायै नमः।
३९ ॐ रामवक्षःस्थलाश्रयायै नमः।
४० ॐ उमायै नमः।
४१ ॐ सर्वात्मिकायै नमः।
४२ ॐ विद्यायै नमः।
४३ ॐ ज्योतीरूपायै नमः।
४४ ॐ अयुताक्षर्यै नमः।
४५ ॐ शान्त्यै नमः।
४६ ॐ सर्वेषां प्रतिष्ठायै नमः।

४७ ॐ निवृत्त्यै नमः।
४८ ॐ अमृतप्रदायै नमः।
४९ ॐ व्योममूर्त्यै नमः।
५० ॐ व्योममय्यै नमः।
५१ ॐ व्योमाधारायै नमः।
५२ ॐ अच्युतायै नमः।
५३ ॐ लतायै नमः।
५४ ॐ अनादिनिधनायै नमः।
५५ ॐ योषायै नमः।
५६ ॐ कारणात्मायै नमः।
५७ ॐ कलाकुलायै नमः।
५८ ॐ नन्दप्रथमजायै नमः।
५९ ॐ नाभ्यै नमः।
६० ॐ अमृतस्यान्तसंश्रयायै नमः।
६१ ॐ प्राणेश्वरप्रियायै नमः।
६२ ॐ मात्रे नमः।

६३ ॐ महामहिषवाहनायै नमः।
६४ ॐ प्राणेश्वर्यै नमः।
६५ ॐ प्राणरूपायै नमः।
६६ ॐ प्रधानपुरुषेश्वर्यै नमः।
६७ ॐ सर्वशक्त्यै नमः।
६८ ॐ कलायै नमः।
६९ ॐ काष्ठायै नमः।
७० ॐ इन्दोर्ज्योत्स्नायै नमः।
७१ ॐ महिमास्पदायै नमः।
७२ ॐ सर्वकार्यनियन्त्र्यै नमः।
७३ ॐ सर्वभूतेश्वरेश्वर्यै नमः।
७४ ॐ अनाद्यै नमः।
७५ ॐ अव्यक्तगुणायै नमः।
७६ ॐ महानन्दायै नमः।
७७ ॐ सनातन्यै नमः।
७८ ॐ आकाशयोन्यै नमः।

७९ ॐ योगस्थायै नमः।
८० ॐ सर्वयोगेश्वरेश्वर्यै नमः।
८१ ॐ शवासनायै नमः।
८२ ॐ चितान्तःस्थायै नमः।
८३ ॐ महेशवृषवाहनायै नमः।
८४ ॐ बालिकायै नमः।
८५ ॐ तरुण्यै नमः।
८६ ॐ वृद्धायै नमः।
८७ ॐ वृद्धमात्रे नमः।
८८ ॐ जरातुरायै नमः।
८९ ॐ महामायायै नमः।
९० ॐ सुदुष्पूरायै नमः।
९१ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
९२ ॐ ईश्वर्यै नमः।
९३ ॐ संसारयोन्यै नमः।
९४ ॐ सकलायै नमः।

९५ ॐ सर्वशक्तिसमुद्भवायै नमः।
९६ ॐ संसारसारायै नमः।
९७ ॐ दुर्वारायै नमः।
९८ ॐ दुर्निरीक्ष्यायै नमः।
९९ ॐ दुरासदायै नमः।
१०० ॐ प्राणशक्त्यै नमः।
१०१ ॐ प्राणविद्यायै नमः।
१०२ ॐ योगिन्यै नमः।
१०३ ॐ परमायै कलायै नमः।
१०४ ॐ महाविभूत्यै नमः।
१०५ ॐ दुर्धर्षायै नमः।
१०६ ॐ मूलप्रकृतिसम्भवायै नमः।
१०७ ॐ अनाद्यन्तविभवायै नमः।
१०८ ॐ परात्मने नमः।
१०९ ॐ पुरुषाय नमः।
११० ॐ बल्यै नमः।

१११ ॐ सर्गस्थित्यन्तकरण्यै नमः।
११२ ॐ सुदुर्वाच्यायै नमः।
११३ ॐ दुरत्ययायै नमः।
११४ ॐ शब्दयोन्यै नमः।
११५ ॐ शब्दमय्यै नमः।
११६ ॐ नादाख्यायै नमः।
११७ ॐ नादविग्रहायै नमः।
११८ ॐ प्रधानपुरुषातीतायै नमः।
११९ ॐ प्रधानपुरुषात्मिकायै नमः।
१२० ॐ पुराण्यै नमः।
१२१ ॐ चिन्मय्यै नमः।
१२२ ॐ पुंसामादये नमः।
१२३ ॐ पुरुषरूपिण्यै नमः।
१२४ ॐ भूतान्तरात्मने नमः।
१२५ ॐ कूटस्थायै नमः।
१२६ ॐ महापुरुषसंज्ञितायै नमः।

१२७ ॐ जन्ममृत्युजरातीतायै नमः।
१२८ ॐ सर्वशक्तिसमन्वितायै नमः।
१२९ ॐ व्यापिन्यै नमः।
१३० ॐ अनवच्छिन्नायै नमः।
१३१ ॐ प्रधानायै नमः।
१३२ ॐ सुप्रवेशिन्यै नमः।
१३३ ॐ क्षेत्रज्ञायै नमः।
१३४ ॐ शक्त्यै नमः।
१३५ ॐ अव्यक्तलक्षणायै नमः।
१३६ ॐ मलवर्जितायै नमः।
१३७ ॐ अनादिमायासम्भिन्नायै नमः।
१३८ ॐ त्रितत्त्वायै नमः।
१३९ ॐ प्रकृत्यै नमः।
१४० ॐ गुणायै नमः।
१४१ ॐ महामायायै नमः।
१४२ ॐ समुत्पन्नायै नमः।

१४३ ॐ तामस्यै नमः।
१४४ ॐ पौरुष्यै नमः।
१४५ ॐ ध्रुवायै नमः।
१४६ ॐ व्यक्ताव्यक्तात्मिकायै नमः।
१४७ ॐ कृष्णरक्तशुक्ल-
प्रसूतिकायै नमः।
१४८ ॐ स्वकार्यायै नमः।
१४९ ॐ कार्यजनन्यै नमः।
१५० ॐ ब्रह्मास्यायै नमः।
१५१ ॐ ब्रह्मसंश्रयायै नमः।
१५२ ॐ व्यक्तायै नमः।
१५३ ॐ प्रथमजायै नमः।
१५४ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
१५५ ॐ महत्यै नमः।
१५६ ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः।
१५७ ॐ वैराग्यैश्वर्यधर्मात्मायै नमः।

१५८ ॐ ब्रह्ममूर्त्यै नमः।
१५९ ॐ हृदिस्थितायै नमः।
१६० ॐ जयदायै नमः।
१६१ ॐ जित्वर्यै नमः।
१६२ ॐ जैत्र्यै नमः।
१६३ ॐ जयश्रियै नमः।
१६४ ॐ जयशालिन्यै नमः।
१६५ ॐ सुखदायै नमः।
१६६ ॐ शुभदायै नमः।
१६७ ॐ सत्यायै नमः।
१६८ ॐ शुभायै नमः।
१६९ ॐ संक्षोभकारिण्यै नमः।
१७० ॐ अपां योन्यै नमः।
१७१ ॐ स्वयम्भूत्यै नमः।
१७२ ॐ मानस्यै नमः।
१७३ ॐ तत्त्वसम्भवायै नमः।

१७४ ॐ ईश्वराण्यै नमः।
१७५ ॐ शर्वाण्यै नमः।
१७६ ॐ शंकरार्धशरीरिण्यै नमः।
१७७ ॐ भवान्यै नमः।
१७८ ॐ रुद्राण्यै नमः।
१७९ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
१८० ॐ अम्बिकायै नमः।
१८१ ॐ माहेश्वर्यै नमः।
१८२ ॐ समुत्पन्नायै नमः।
१८३ ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदायै नमः।
१८४ ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
१८५ ॐ सर्ववर्णायै नमः।
१८६ ॐ नित्यायै नमः।
१८७ ॐ मुदितमानसायै नमः।
१८८ ॐ ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रनमितायै नमः।
१८९ ॐ शंकरेच्छानुवर्तिन्यै नमः।

१९० ॐ ईश्वरार्धासनगतायै नमः।
१९१ ॐ रघूत्तमपतिव्रतायै नमः।
१९२ ॐ सकृद्विभावितायै नमः।
१९३ ॐ सर्वस्यै नमः।
१९४ ॐ समुद्रपरिशोषिण्यै नमः।
१९५ ॐ पार्वत्यै नमः।
१९६ ॐ हिमवत्पुत्र्यै नमः।
१९७ ॐ परमानन्ददायिन्यै नमः।
१९८ ॐ गुणाढ्यायै नमः।
१९९ ॐ योगदायै नमः।
२०० ॐ योग्यायै नमः।
२०१ ॐ ज्ञानमूर्तिविकासिन्यै नमः।
२०२ ॐ सावित्र्यै नमः।
२०३ ॐ कमलायै नमः।
२०४ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२०५ ॐ श्रियै नमः।

२०६ ॐ अनन्तोरसिस्थितायै नमः।
२०७ ॐ सरोजनिलयायै नमः।
२०८ ॐ शुभ्रायै नमः।
२०९ ॐ योगनिद्रायै नमः।
२१० ॐ सुदर्शनायै नमः।
२११ ॐ सरस्वत्यै नमः।
२१२ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२१३ ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः।
२१४ ॐ सुमङ्गलायै नमः।
२१५ ॐ वासव्यै नमः।
२१६ ॐ वरदायै नमः।
२१७ ॐ वाच्यायै नमः।
२१८ ॐ कीर्त्यै नमः।
२१९ ॐ सर्वार्थसाधिकायै नमः।
२२० ॐ वागीश्वर्यै नमः।
२२१ ॐ सर्वविद्यायै नमः।

२२२ ॐ महाविद्यायै नमः।
२२३ ॐ सुशोभनायै नमः।
२२४ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
२२५ ॐ आत्मविद्यायै नमः।
२२६ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२२७ ॐ आत्मभावितायै नमः।
२२८ ॐ स्वाहायै नमः।
२२९ ॐ विश्वम्भर्यै नमः।
२३० ॐ सिद्ध्यै नमः।
२३१ ॐ स्वधायै नमः।
२३२ ॐ मेधायै नमः।
२३३ ॐ धृत्यै नमः।
२३४ ॐ श्रुत्यै नमः।
२३५ ॐ नाभ्यै नमः।
२३६ ॐ सुनाभ्यै नमः।
२३७ ॐ सुकृत्यै नमः।

२३८ ॐ माधव्यै नमः।
२३९ ॐ नरवाहिन्यै नमः।
२४० ॐ पूज्यायै नमः।
२४१ ॐ विभावर्यै नमः।
२४२ ॐ सौम्यायै नमः।
२४३ ॐ भगिन्यै नमः।
२४४ ॐ भोगदायिन्यै नमः।
२४५ ॐ शोभायै नमः।
२४६ ॐ वंशकर्यै नमः।
२४७ ॐ लीलायै नमः।
२४८ ॐ मानिन्यै नमः।
२४९ ॐ परमेष्ठिन्यै नमः।
२५० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
२५१ ॐ रम्यायै नमः।
२५२ ॐ सुन्दर्यै नमः।
२५३ ॐ कामचारिण्यै नमः।

२५४ ॐ महानुभावमध्यस्थायै नमः।
२५५ ॐ महामहिषमर्दिन्यै नमः।
२५६ ॐ पद्ममालायै नमः।
२५७ ॐ पापहरायै नमः।
२५८ ॐ विचित्रमुकुटाननायै नमः।
२५९ ॐ कान्तायै नमः।
२६० ॐ चित्राम्बरधरायै नमः।
२६१ ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः।
२६२ ॐ हंसाख्यायै नमः।
२६३ ॐ व्योमनिलयायै नमः।
२६४ ॐ जनसृष्टिविवर्धिन्यै नमः।
२६५ ॐ निर्यन्त्रायै नमः।
२६६ ॐ मन्त्रवाहस्थायै नमः।
२६७ ॐ नन्दिन्यै नमः।
२६८ ॐ भद्रकालिकायै नमः।
२६९ ॐ आदित्यवर्णायै नमः।

२७० ॐ कौमार्यै नमः।
२७१ ॐ मयूरवरवाहिन्यै नमः।
२७२ ॐ वृषासनगतायै नमः।
२७३ ॐ गौर्यै नमः।
२७४ ॐ महाकाल्यै नमः।
२७५ ॐ सुरार्चितायै नमः।
२७६ ॐ अदित्यै नमः।
२७७ ॐ नियतायै नमः।
२७८ ॐ रौद्र्यै नमः।
२७९ ॐ पद्मगर्भायै नमः।
२८० ॐ विवाहनायै नमः।
२८१ ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
२८२ ॐ लेलिहानायै नमः।
२८३ ॐ महासुरविनाशिन्यै नमः।
२८४ ॐ महाफलायै नमः।
२८५ ॐ अनवद्याङ्ग्यै नमः।

२८६ ॐ कामपूरायै नमः।
२८७ ॐ विभावर्यै नमः।
२८८ ॐ विचित्ररत्नमुकुटायै नमः।
२८९ ॐ प्रणतर्द्धिविवर्धिन्यै नमः।
२९० ॐ कौशिक्यै नमः।
२९१ ॐ कर्षिण्यै नमः।
२९२ ॐ रात्र्यै नमः।
२९३ ॐ त्रिदशार्तिविनाशिन्यै नमः।
२९४ ॐ विरूपायै नमः।
२९५ ॐ सुरूपायै नमः।
२९६ ॐ भीमायै नमः।
२९७ ॐ मोक्षप्रदायिन्यै नमः।
२९८ ॐ भक्तार्तिनाशिन्यै नमः।
२९९ ॐ भव्यायै नमः।
३०० ॐ भवभावविनाशिन्यै नमः।
३०१ ॐ निर्गुणायै नमः।

३०२ ॐ नित्यविभवायै नमः।
३०३ ॐ निःसारायै नमः।
३०४ ॐ निरपत्रपायै नमः।
३०५ ॐ यशस्विन्यै नमः।
३०६ ॐ सामगत्यै नमः।
३०७ ॐ भवाङ्गनिलयालयायै नमः।
३०८ ॐ दीक्षायै नमः।
३०९ ॐ विद्याधर्यै नमः।
३१० ॐ दीप्तायै नमः।
३११ ॐ महेन्द्रविनिपातिन्यै नमः।
३१२ ॐ सर्वातिशायिन्यै नमः।
३१३ ॐ विद्यायै नमः।
३१४ ॐ सर्वशक्तिप्रदायिन्यै नमः।
३१५ ॐ सर्वेश्वरप्रियायै नमः।
३१६ ॐ तार्क्ष्यै नमः।
३१७ ॐ समुद्रान्तरवासिन्यै नमः।

३१८ ॐ अकलङ्कायै नमः।
३१९ ॐ निराधारायै नमः।
३२० ॐ नित्यसिद्धायै नमः।
३२१ ॐ निरामयायै नमः।
३२२ ॐ कामधेन्वै नमः।
३२३ ॐ वेदगर्भायै नमः।
३२४ ॐ धीमत्यै नमः।
३२५ ॐ मोहनाशिन्यै नमः।
३२६ ॐ निःसंकल्पायै नमः।
३२७ ॐ निरातङ्कायै नमः।
३२८ ॐ विनयायै नमः।
३२९ ॐ विनयप्रदायै नमः।
३३० ॐ ज्वालायै नमः।
३३१ ॐ मालायै नमः।
३३२ ॐ सहस्त्राढ्यायै नमः।
३३३ ॐ देवदेव्यै नमः।

३३४ ॐ मनोन्मन्यै नमः।
३३५ ॐ उर्व्यै नमः।
३३६ ॐ गुर्व्यै नमः।
३३७ ॐ गुरुश्रेष्ठायै नमः।
३३८ ॐ सुगुणायै नमः।
३३९ ॐ षड्गुणात्मिकायै नमः।
३४० ॐ महाभगवत्यै नमः।
३४१ ॐ भव्यायै नमः।
३४२ ॐ वसुदेवसमुद्भवायै नमः।
३४३ ॐ महेन्द्रोपेन्द्रभगिन्यै नमः।
३४४ ॐ भक्तिगम्यपरायणायै नमः।
३४५ ॐ ज्ञानज्ञेयायै नमः।
३४६ ॐ जरातीतायै नमः।
३४७ ॐ वेदान्तविषयायै नमः।
३४८ ॐ गत्यै नमः।
३४९ ॐ दक्षिणायै नमः।

३५० ॐ दहनायै नमः।
३५१ ॐ वाह्यायै नमः।
३५२ ॐ सर्वभूतनमस्कृतायै नमः।
३५३ ॐ योगमायायै नमः।
३५४ ॐ विभावज्ञायै नमः।
३५५ ॐ महामोहायै नमः।
३५६ ॐ महीयस्यै नमः।
३५७ ॐ सत्यायै नमः।
३५८ ॐ सर्वसमुद्भूत्यै नमः।
३५९ ॐ ब्रह्मवृक्षाश्रयायै नमः।
३६० ॐ मत्यै नमः।
३६१ ॐ बीजांकुरसमुद्भूत्यै नमः।
३६२ ॐ महाशक्त्यै नमः।
३६३ ॐ महामत्यै नमः।
३६४ ॐ ख्यात्यै नमः।
३६५ ॐ प्रतिज्ञायै नमः।

३६६ ॐ चित्संविते नमः।
३६७ ॐ महायोगेन्द्रशायिन्यै नमः।
३६८ ॐ विकृत्यै नमः।
३६९ ॐ शांकर्यै नमः।
३७० ॐ शास्त्र्यै नमः।
३७१ ॐ यक्षगन्धर्वसेवितायै नमः।
३७२ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
३७३ ॐ महाशालायै नमः।
३७४ ॐ देवसेनायै नमः।
३७५ ॐ गुहप्रियायै नमः।
३७६ ॐ महारात्र्यै नमः।
३७७ ॐ शिवानन्दायै नमः।
३७८ ॐ शच्यै नमः।
३७९ ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः।
३८० ॐ पूज्यायै नमः।
३८१ ॐ अपूज्यायै नमः।

३८२ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
३८३ ॐ दुर्विज्ञेयस्वरूपिण्यै नमः।
३८४ ॐ गुहाम्बिकायै नमः।
३८५ ॐ गुहोत्पत्त्यै नमः।
३८६ ॐ महापीठायै नमः।
३८७ ॐ मरुत्सुतायै नमः।
३८८ ॐ हव्यवाहान्तरायै नमः।
३८९ ॐ गार्ग्यै नमः।
३९० ॐ हव्यवाहसमुद्भवायै नमः।
३९१ ॐ जगद्योन्यै नमः।
३९२ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३९३ ॐ जगन्मृत्यवे नमः।
३९४ ॐ जरातिगायै नमः।
३९५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
३९६ ॐ मात्रे नमः।
३९७ ॐ बुद्धिमत्यै नमः।

३९८ ॐ पुरुषान्तरवासिन्यै नमः।
३९९ ॐ तपस्विन्यै नमः।
४०० ॐ समाधिस्थायै नमः।
४०१ ॐ त्रिनेत्रायै नमः।
४०२ ॐ दिविसंस्थितायै नमः।
४०३ ॐ सर्वेन्द्रियमनोमात्रे नमः।
४०४ ॐ सर्वभूतहृदिस्थितायै नमः।
४०५ ॐ संसारतारिण्यै नमः।
४०६ ॐ विद्यायै नमः।
४०७ ॐ ब्रह्मवादिमनोलयायै नमः।
४०८ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
४०९ ॐ बृहत्यै नमः।
४१० ॐ ब्राह्म्यै नमः।
४११ ॐ ब्रह्मभूतायै नमः।
४१२ ॐ भयावन्यै नमः।
४१३ ॐ हिरण्मय्यै नमः।

४१४ ॐ महारात्र्यै नमः।
४१५ ॐ संसारपरिवर्तिकायै नमः।
४१६ ॐ सुमालिन्यै नमः।
४१७ ॐ सुरूपायै नमः।
४१८ ॐ तारिण्यै नमः।
४१९ ॐ भाविन्यै नमः।
४२० ॐ प्रभायै नमः।
४२१ ॐ उन्मीलिन्यै नमः।
४२२ ॐ सर्वसहायै नमः।
४२३ ॐ सर्वप्रत्ययसाक्षिण्यै नमः।
४२४ ॐ तपिन्यै नमः।
४२५ ॐ तापिन्यै नमः।
४२६ ॐ विश्वस्यै नमः।
४२७ ॐ भोगदायै नमः।
४२८ ॐ धारिण्यै नमः।
४२९ ॐ धरायै नमः।

४३० ॐ सुसौम्यायै नमः।
४३१ ॐ चन्द्रवदनायै नमः।
४३२ ॐ ताण्डवासक्तमानसायै नमः।
४३३ ॐ सत्त्वशुद्धिकर्यै नमः।
४३४ ॐ शुद्ध्यै नमः।
४३५ ॐ मलत्रयविनाशिन्यै नमः।
४३६ ॐ जगत्प्रियायै नमः।
४३७ ॐ जगन्मूर्त्यै नमः।
४३८ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
४३९ ॐ अमृताश्रयायै नमः।
४४० ॐ निराश्रयायै नमः।
४४१ ॐ निराहारायै नमः।
४४२ ॐ निरङ्कुशरणोद्भवायै नमः।
४४३ ॐ चक्रहस्तायै नमः।
४४४ ॐ विचित्राङ्ग्यै नमः।
४४५ ॐ स्रग्विण्यै नमः।

४४६ ॐ पद्मधारिण्यै नमः।
४४७ ॐ परापरविधानज्ञायै नमः।
४४८ ॐ महापुरुषपूर्वजायै नमः।
४४९ ॐ विद्येश्वरप्रियायै नमः।
४५० ॐ विद्यायै नमः।
४५१ ॐ विद्युज्जिह्वायै नमः।
४५२ ॐ जितश्रमायै नमः।
४५३ ॐ विद्यामय्यै नमः।
४५४ ॐ सहस्त्राक्ष्यै नमः।
४५५ ॐ सहस्त्रश्रवणात्मजायै नमः।
४५६ ॐ सहस्त्ररश्मिपद्मस्थायै नमः।
४५७ ॐ महेश्वरपदाश्रयायै नमः।
४५८ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
४५९ ॐ सद्मना व्याप्तायै नमः।
४६० ॐ तेजस्यै नमः।
४६१ ॐ पद्मरोधिकायै नमः।

४६२ ॐ महादेवाश्रयायै नमः।
४६३ ॐ मान्यायै नमः।
४६४ ॐ महादेवमनोरमायै नमः।
४६५ ॐ व्योमलक्ष्म्यै नमः।
४६६ ॐ सिंहरथायै नमः।
४६७ ॐ चेकितान्यै नमः।
४६८ ॐ अमितप्रभायै नमः।
४६९ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
४७० ॐ विमानस्थायै नमः।
४७१ ॐ विशोकायै नमः।
४७२ ॐ शोकनाशिन्यै नमः।
४७३ ॐ अनाहतायै नमः।
४७४ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
४७५ ॐ नलिन्यै नमः।
४७६ ॐ पद्मवासिन्यै नमः।
४७७ ॐ शतानन्दायै नमः।

४७८ ॐ सतां कीर्त्यै नमः।
४७९ ॐ सर्वभूताशयस्थितायै नमः।
४८० ॐ वाग्देवतायै नमः।
४८१ ॐ ब्रह्मकलायै नमः।
४८२ ॐ कलातीतायै नमः।
४८३ ॐ कलावत्यै नमः।
४८४ ॐ ब्रह्मर्षये नमः।
४८५ ॐ ब्रह्महृदयायै नमः।
४८६ ॐ ब्रह्मविष्णुशिवप्रियायै नमः।
४८७ ॐ व्योमशक्त्यै नमः।
४८८ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
४८९ ॐ जनशक्त्यै नमः।
४९० ॐ परागत्यै नमः।
४९१ ॐ क्षोभिकायै नमः।
४९२ ॐ रौद्रिकायै नमः।
४९३ ॐ अभेद्यायै नमः।

४९४ ॐ भेदाभेदविवर्जितायै नमः।
४९५ ॐ अभिन्नायै नमः।
४९६ ॐ भिन्नसंस्थानायै नमः।
४९७ ॐ वंशिन्यै नमः।
४९८ ॐ वंशहारिण्यै नमः।
४९९ ॐ गुह्यशक्त्यै नमः।
५०० ॐ गुणातीतायै नमः।
५०१ ॐ सर्वदायै नमः।
५०२ ॐ सर्वतोमुख्यै नमः।
५०३ ॐ भगिन्यै नमः।
५०४ ॐ भगवत्पत्न्यै नमः।
५०५ ॐ सकलायै नमः।
५०६ ॐ कालकारिण्यै नमः।
५०७ ॐ सर्वविदे नमः।
५०८ ॐ सर्वतोभद्रायै नमः।
५०९ ॐ गुह्यायै नमः।

५१० ॐ अतीतायै नमः।
५११ ॐ गुहावल्यै नमः।
५१२ ॐ प्रक्रियायै नमः।
५१३ ॐ योगमात्रे नमः।
५१४ ॐ गन्धायै नमः।
५१५ ॐ विश्वेश्वरेश्वर्यै नमः।
५१६ ॐ कपिलायै नमः।
५१७ ॐ कपिलाकान्तायै नमः।
५१८ ॐ कनकाभायै नमः।
५१९ ॐ कलान्तरायै नमः।
५२० ॐ पुण्यायै नमः।
५२१ ॐ पुष्करिण्यै नमः।
५२२ ॐ भोक्त्र्यै नमः।
५२३ ॐ पुरंदरपुरःसरायै नमः।
५२४ ॐ पोषण्यै नमः।
५२५ ॐ परमैश्वर्यभूतिदायै नमः।

५२६ ॐ भूतिभूषणायै नमः।
५२७ ॐ पञ्चब्रह्मसमुत्पत्त्यै नमः।
५२८ ॐ परमात्माऽऽत्मविग्रहायै नमः।
५२९ ॐ नर्मोदयायै नमः।
५३० ॐ भानुमत्यै नमः।
५३१ ॐ योगिज्ञेयायै नमः।
५३२ ॐ मनोजवायै नमः।
५३३ ॐ बीजरूपायै नमः।
५३४ ॐ रजोरूपायै नमः।
५३५ ॐ वशिन्यै नमः।
५३६ ॐ योगरूपिण्यै नमः।
५३७ ॐ सुमन्त्रायै नमः।
५३८ ॐ मन्त्रिण्यै नमः।
५३९ ॐ पूर्णायै नमः।
५४० ॐ ह्लादिन्यै नमः।
५४१ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।

५४२ ॐ मनोहरायै नमः।
५४३ ॐ मनोरक्ष्यै नमः।
५४४ ॐ तापस्यै नमः।
५४५ ॐ वेदरूपिण्यै नमः।
५४६ ॐ वेदशक्त्यै नमः।
५४७ ॐ वेदमात्रे नमः।
५४८ ॐ वेदविद्याप्रकाशिन्यै नमः।
५४९ ॐ योगेश्वरेश्वर्यै नमः।
५५० ॐ मालायै नमः।
५५१ ॐ महाशक्त्यै नमः।
५५२ ॐ मनोमय्यै नमः।
५५३ ॐ विश्वावस्थायै नमः।
५५४ ॐ वीरमुक्त्यै नमः।
५५५ ॐ विद्युन्मालायै नमः।
५५६ ॐ विहायस्यै नमः।
५५७ ॐ पीवर्यै नमः।

५५८ ॐ सुरभ्यै नमः।
५५९ ॐ वन्द्यायै नमः।
५६० ॐ नन्दिन्यै नमः।
५६१ ॐ नन्दवल्लभायै नमः।
५६२ ॐ भारत्यै नमः।
५६३ ॐ परमानन्दायै नमः।
५६४ ॐ परापरविभेदिकायै नमः।
५६५ ॐ सर्वप्रहरणोपेतायै नमः।
५६६ ॐ काम्यायै नमः।
५६७ ॐ कामेश्वरेश्वर्यै नमः।
५६८ ॐ अचिन्त्यायै नमः।
५६९ ॐ चिन्त्यमहिमायै नमः।
५७० ॐ दुर्लेखायै नमः।
५७१ ॐ कनकप्रभायै नमः।
५७२ ॐ कूष्माण्ड्यै नमः।
५७३ ॐ धनरत्नाढ्यायै नमः।

५७४ ॐ सुगन्धायै नमः ।
५७५ ॐ गन्धदायिन्यै नमः ।
५७६ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भूतायै नमः ।
५७७ ॐ धनुष्पाण्यै नमः ।
५७८ ॐ शिरोहयायै नमः ।
५७९ ॐ सुदुर्लभायै नमः ।
५८० ॐ धनाध्यक्षायै नमः ।
५८१ ॐ धन्यायै नमः ।
५८२ ॐ पिङ्गललोचनायै नमः ।
५८३ ॐ भ्रान्त्यै नमः ।
५८४ ॐ प्रभावत्यै नमः ।
५८५ ॐ दीप्त्यै नमः ।
५८६ ॐ पङ्कजायतलोचनायै नमः ।
५८७ ॐ आद्यायै नमः ।
५८८ ॐ हृत्कमलोद्भूतायै नमः ।
५८९ ॐ परस्यै नमः ।

५९० ॐ मात्रे नमः।
५९१ ॐ रणप्रियायै नमः।
५९२ ॐ सत्क्रियायै नमः।
५९३ ॐ गिरिजायै नमः।
५९४ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
५९५ ॐ पुष्पनिरन्तरायै नमः।
५९६ ॐ दुर्गायै नमः।
५९७ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५९८ ॐ चण्ड्यै नमः।
५९९ ॐ चर्चिकायै नमः।
६०० ॐ शान्तविग्रहायै नमः।
६०१ ॐ हिरण्यवर्णायै नमः।
६०२ ॐ रजन्यै नमः।
६०३ ॐ जगन्मन्त्रप्रवर्तिकायै नमः।
६०४ ॐ मन्दराद्रिनिवासायै नमः।
६०५ ॐ शारदायै नमः।

६०६ ॐ स्वर्णमालिन्यै नमः।
६०७ ॐ रत्नमालायै नमः।
६०८ ॐ रत्नगर्भायै नमः।
६०९ ॐ पृथ्व्यै नमः।
६१० ॐ विश्वप्रमाथिन्यै नमः।
६११ ॐ पद्मासनायै नमः।
६१२ ॐ पद्मनिभायै नमः।
६१३ ॐ नित्यतुष्टायै नमः।
६१४ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
६१५ ॐ धुन्वत्यै नमः।
६१६ ॐ दुष्प्रकम्पायै नमः।
६१७ ॐ सूर्यमात्रे नमः।
६१८ ॐ दृषद्वत्यै नमः।
६१९ ॐ महेन्द्रभगिन्यै नमः।
६२० ॐ मायायै नमः।
६२१ ॐ वरेण्यायै नमः।

६२२ ॐ वरदर्पितायै नमः।
६२३ ॐ कल्याण्यै नमः।
६२४ ॐ कमलायै नमः।
६२५ ॐ रामायै नमः।
६२६ ॐ पञ्चभूतवरप्रदायै नमः।
६२७ ॐ वाच्यायै नमः।
६२८ ॐ परेश्वर्यै नमः।
६२९ ॐ नन्द्यायै नमः।
६३० ॐ दुर्जयायै नमः।
६३१ ॐ दुरतिक्रमायै नमः।
६३२ ॐ कालरात्र्यै नमः।
६३३ ॐ महावेगायै नमः।
६३४ ॐ वीरभद्रहितप्रियायै नमः।
६३५ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
६३६ ॐ जगन्मात्रे नमः।
६३७ ॐ भक्तानां भद्रदायिन्यै नमः।

६३८ ॐ करालायै नमः।
६३९ ॐ पिङ्गलाकारायै नमः।
६४० ॐ सामवेदायै नमः।
६४१ ॐ महानदायै नमः।
६४२ ॐ तपस्विन्यै नमः।
६४३ ॐ यशोदायै नमः।
६४४ ॐ यथाध्वपरिवर्तिन्यै नमः।
६४५ ॐ शङ्खिन्यै नमः।
६४६ ॐ पद्मिन्यै नमः।
६४७ ॐ सांख्यायै नमः।
६४८ ॐ सांख्ययोगप्रवर्तिकायै नमः।
६४९ ॐ चैत्र्यै नमः।
६५० ॐ संवत्सरायै नमः।
६५१ ॐ रुद्रायै नमः।
६५२ ॐ जगत्सम्पूरण्यै नमः।
६५३ ॐ इन्द्रजायै नमः।

६५४ ॐ शुम्भारये नमः।
६५५ ॐ खेचर्यै नमः।
६५६ ॐ खस्थायै नमः।
६५७ ॐ कम्बुग्रीवायै नमः।
६५८ ॐ कलिप्रियायै नमः।
६५९ ॐ खरध्वजायै नमः।
६६० ॐ खरारूढायै नमः।
६६१ ॐ पराध्र्यायै नमः।
६६२ ॐ परमालिन्यै नमः।
६६३ ॐ ऐश्वर्यरत्ननिलयायै नमः।
६६४ ॐ विरक्तायै नमः।
६६५ ॐ गरुडासनायै नमः।
६६६ ॐ जयन्त्यै नमः।
६६७ ॐ हृद्गुहायै नमः।
६६८ ॐ रम्यायै नमः।
६६९ ॐ सत्त्ववेगायै नमः।

६७० ॐ गणाग्रण्यै नमः।
६७१ ॐ संकल्पसिद्धायै नमः।
६७२ ॐ साम्यस्थायै नमः।
६७३ ॐ सर्वविज्ञानदायिन्यै नमः।
६७४ ॐ कलिकल्मषहन्त्र्यै नमः।
६७५ ॐ गुह्योपनिषदुत्तमायै नमः।
६७६ ॐ नित्यदृष्ट्यै नमः।
६७७ ॐ स्मृत्यै नमः।
६७८ ॐ व्याप्त्यै नमः।
६७९ ॐ पुष्ट्यै नमः।
६८० ॐ तुष्ट्यै नमः।
६८१ ॐ क्रियावत्यै नमः।
६८२ ॐ विश्वस्यै नमः।
६८३ ॐ अमरेश्वरेशानायै नमः।
६८४ ॐ भुक्त्यै नमः।
६८५ ॐ मुक्त्यै नमः।

६८६ ॐ शिवायै नमः।
६८७ ॐ अमृतायै नमः।
६८८ ॐ लोहितायै नमः।
६८९ ॐ सर्वमात्रे नमः।
६९० ॐ भीषणायै नमः।
६९१ ॐ वनमालिन्यै नमः।
६९२ ॐ अनन्तशयनायै नमः।
६९३ ॐ अनाद्यायै नमः।
६९४ ॐ नरनारायणोद्भवायै नमः।
६९५ ॐ नृसिंह्यै नमः।
६९६ ॐ दैत्यमथिन्यै नमः।
६९७ ॐ शङ्खचक्रगदाधरायै नमः।
६९८ ॐ संकर्षणसमुत्पत्त्यै नमः।
६९९ ॐ अम्बिकोपान्तसंश्रयायै नमः।
७०० ॐ महाज्वालायै नमः।
७०१ ॐ महामूर्त्यै नमः।

७०२ ॐ सुमूर्त्यै नमः।
७०३ ॐ सर्वकामदुहे नमः।
७०४ ॐ सुप्रभायै नमः।
७०५ ॐ सुतरां गौर्यै नमः।
७०६ ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
७०७ ॐ भ्रूमध्यनिलयायै नमः।
७०८ ॐ अपूर्वायै नमः।
७०९ ॐ प्रधानपुरुषायै नमः।
७१० ॐ बल्यै नमः।
७११ ॐ महाविभूतिदायै नमः।
७१२ ॐ मध्यायै नमः।
७१३ ॐ सरोजनयनासनायै नमः।
७१४ ॐ अष्टादशभुजायै नमः।
७१५ ॐ नाट्यायै नमः।
७१६ ॐ नीलोत्पलदलप्रभायै नमः।
७१७ ॐ सर्वशक्त्या समारूढायै नमः।

७१८ ॐ धर्माधर्मानुवर्जितायै नमः।
७१९ ॐ वैराग्यज्ञाननिरतायै नमः।
७२० ॐ निरालोकायै नमः।
७२१ ॐ निरिन्द्रियायै नमः।
७२२ ॐ विचित्रगहनायै नमः।
७२३ ॐ धीरायै नमः।
७२४ ॐ शाश्वतस्थानवासिन्यै नमः।
७२५ ॐ स्थानेश्वर्यै नमः।
७२६ ॐ निरानन्दायै नमः।
७२७ ॐ त्रिशूलवरधारिण्यै नमः।
७२८ ॐ अशेषदेवतामूर्त्यै नमः।
७२९ ॐ देवतायै नमः।
७३० ॐ परदेवतायै नमः।
७३१ ॐ गणात्मिकायै नमः।
७३२ ॐ गिरेः पुत्र्यै नमः।
७३३ ॐ निशुम्भविनिपातिन्यै नमः।

७३४ ॐ अवर्णायै नमः।
७३५ ॐ वर्णरहितायै नमः।
७३६ ॐ निर्वर्णायै नमः।
७३७ ॐ बीजसम्भवायै नमः।
७३८ ॐ अनन्तवर्णायै नमः।
७३९ ॐ अनन्यस्थायै नमः।
७४० ॐ शंकर्यै नमः।
७४१ ॐ शान्तमानसायै नमः।
७४२ ॐ अगोत्रायै नमः।
७४३ ॐ गोमत्यै नमः।
७४४ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
७४५ ॐ गुह्यरूपायै नमः।
७४६ ॐ गुणान्तरायै नमः।
७४७ ॐ गोश्रियै नमः।
७४८ ॐ गव्यप्रियायै नमः।
७४९ ॐ गौर्यै नमः।

७५० ॐ गणेश्वरनमस्कृतायै नमः।
७५१ ॐ सत्यमात्रायै नमः।
७५२ ॐ सत्यसंधायै नमः।
७५३ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
७५४ ॐ संधिवर्जितायै नमः।
७५५ ॐ सर्ववादाश्रयायै नमः।
७५६ ॐ सांख्यायै नमः।
७५७ ॐ सांख्ययोगसमुद्भवायै नमः।
७५८ ॐ असंख्येयायै नमः।
७५९ ॐ अप्रमेयाख्यायै नमः।
७६० ॐ शून्यायै नमः।
७६१ ॐ शुद्धकुलोद्भवायै नमः।
७६२ ॐ विन्दुनादसमुत्पत्त्यै नमः।
७६३ ॐ शम्भुवामायै नमः।
७६४ ॐ शशिप्रभायै नमः।
७६५ ॐ विसङ्गायै नमः।

७६६ ॐ भेदरहितायै नमः।
७६७ ॐ मनोज्ञायै नमः।
७६८ ॐ मधुसूदन्यै नमः।
७६९ ॐ महाश्रियै नमः।
७७० ॐ श्रीसमुत्पत्त्यै नमः।
७७१ ॐ तमःपारे प्रतिष्ठितायै नमः।
७७२ ॐ त्रितत्त्वमात्रे नमः।
७७३ ॐ त्रिविधायै नमः।
७७४ ॐ सुसूक्ष्मपदसंश्रयायै नमः।
७७५ ॐ शान्त्यतीतायै नमः।
७७६ ॐ मलातीतायै नमः।
७७७ ॐ निर्विकारायै नमः।
७७८ ॐ निराश्रयायै नमः।
७७९ ॐ शिवाख्यायै नमः।
७८० ॐ चित्रनिलयायै नमः।
७८१ ॐ शिवज्ञानस्वरूपिण्यै नमः।

७८२ ॐ दैत्यदानवनिर्मात्र्यै नमः।
७८३ ॐ काश्यप्यै नमः।
७८४ ॐ कालकर्णिकायै नमः।
७८५ ॐ शास्त्रयोन्यै नमः।
७८६ ॐ प्रियामूर्त्यै नमः।
७८७ ॐ चतुर्वर्गप्रदर्शितायै नमः।
७८८ ॐ नारायण्यै नमः।
७८९ ॐ नवोद्भूतायै नमः।
७९० ॐ कौमुद्यै नमः।
७९१ ॐ लिङ्गधारिण्यै नमः।
७९२ ॐ कामुक्यै नमः।
७९३ ॐ ललितायै नमः।
७९४ ॐ तारायै नमः।
७९५ ॐ परापरविभूतिदायै नमः।
७९६ ॐ परान्तजातमहिमायै नमः।
७९७ ॐ वडवायै नमः।

७९८ ॐ वामलोचनायै नमः ।
७९९ ॐ सुभद्रायै नमः ।
८०० ॐ देवक्यै नमः ।
८०१ ॐ सीतायै नमः ।
८०२ ॐ वेदवेदाङ्गपारगायै नमः ।
८०३ ॐ मनस्विन्यै नमः ।
८०४ ॐ मन्युमात्रे नमः ।
८०५ ॐ महामन्युसमुद्भवायै नमः ।
८०६ ॐ अमृत्यवे नमः ।
८०७ ॐ अमृतास्वादायै नमः ।
८०८ ॐ पुरुहूतायै नमः ।
८०९ ॐ पुरुप्लुतायै नमः ।
८१० ॐ अशोच्यायै नमः ।
८११ ॐ भिन्नविषयायै नमः ।
८१२ ॐ हिरण्यरजतप्रियायै नमः ।
८१३ ॐ हिरण्यायै नमः ।

८१४ ॐ राजत्यै नमः।
८१५ ॐ हैम्यै नमः।
८१६ ॐ हेमाभरणभूषितायै नमः।
८१७ ॐ विभ्राजमानायै नमः।
८१८ ॐ दुर्ज्ञेयायै नमः।
८१९ ॐ ज्योतिष्टोमफलप्रदायै नमः।
८२० ॐ महानिद्रासमुद्भूतायै नमः।
८२१ ॐ बलीन्द्रायै नमः।
८२२ ॐ सत्यदेवतायै नमः।
८२३ ॐ दीर्घायै नमः।
८२४ ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
८२५ ॐ विद्यायै नमः।
८२६ ॐ शान्तिदायै नमः।
८२७ ॐ शान्तिवर्धिन्यै नमः।
८२८ ॐ लक्ष्म्यादिशक्तिजनन्यै नमः।
८२९ ॐ शक्तिचक्रप्रवर्तिकायै नमः।

८३० ॐ त्रिशक्तिजनन्यै नमः।
८३१ ॐ जन्यायै नमः।
८३२ ॐ षडूर्मिपरिवर्जितायै नमः।
८३३ ॐ स्वाहायै नमः।
८३४ ॐ कर्मकरण्यै नमः।
८३५ ॐ युगान्तदलनात्मिकायै नमः।
८३६ ॐ संकर्षणायै नमः।
८३७ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
८३८ ॐ कामयोन्यै नमः।
८३९ ॐ किरीटिन्यै नमः।
८४० ॐ ऐन्द्रयै नमः।
८४१ ॐ त्रैलोक्यनमितायै नमः।
८४२ ॐ वैष्णव्यै नमः।
८४३ ॐ परमेश्वर्यै नमः।
८४४ ॐ प्रद्युम्नदयितायै नमः।
८४५ ॐ दान्तायै नमः।

८४६ ॐ युग्मदृष्ट्यै नमः।
८४७ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
८४८ ॐ महोत्कटायै नमः।
८४९ ॐ हंसगत्यै नमः।
८५० ॐ प्रचण्डायै नमः।
८५१ ॐ चण्डविक्रमायै नमः।
८५२ ॐ वृषावेशायै नमः।
८५३ ॐ वियन्मात्रायै नमः।
८५४ ॐ विन्ध्यपर्वतवासिन्यै नमः।
८५५ ॐ हिमवन्मेरुनिलयायै नमः।
८५६ ॐ कैलासगिरिवासिन्यै नमः।
८५७ ॐ चाणूरहन्त्र्यै नमः।
८५८ ॐ तनयायै नमः।
८५९ ॐ नीतिज्ञायै नमः।
८६० ॐ कामरूपिण्यै नमः।
८६१ ॐ वेदविद्याव्रतरतायै नमः।

८६२ ॐ धर्मशीलायै नमः।
८६३ ॐ अनिलाशनायै नमः।
८६४ ॐ अयोध्यानिलयायै नमः।
८६५ ॐ वीरायै नमः।
८६६ ॐ महाकालसमुद्भवायै नमः।
८६७ ॐ विद्याधरप्रियायै नमः।
८६८ ॐ सिद्धायै नमः।
८६९ ॐ विद्याधरनिराकृत्यै नमः।
८७० ॐ आप्यायन्त्यै नमः।
८७१ ॐ वहन्त्यै नमः।
८७२ ॐ पावन्यै नमः।
८७३ ॐ पोषण्यै नमः।
८७४ ॐ खिलायै नमः।
८७५ ॐ मातृकायै नमः।
८७६ ॐ मन्मथोद्भूतायै नमः।
८७७ ॐ वारिजायै नमः।

८७८ ॐ वाहनप्रियायै नमः।

८७९ ॐ करीषिण्यै नमः।

८८० ॐ स्वधायै नमः।

८८१ ॐ वाण्यै नमः।

८८२ ॐ वीणावादनतत्परायै नमः।

८८३ ॐ सेवितायै नमः।

८८४ ॐ सेविकायै नमः।

८८५ ॐ सेवायै नमः।

८८६ ॐ सिनीवाल्यै नमः।

८८७ ॐ गरुत्मत्यै नमः।

८८८ ॐ अरुन्धत्यै नमः।

८८९ ॐ हिरण्याक्ष्यै नमः।

८९० ॐ मणिदायै नमः।

८९१ ॐ श्रीवसुप्रदायै नमः।

८९२ ॐ वसुमत्यै नमः।

८९३ ॐ वसोर्धारायै नमः।

८९४ ॐ वसुन्धरासमुद्भवायै नमः ।
८९५ ॐ वरारोहायै नमः ।
८९६ ॐ वराहर्यि नमः ।
८९७ ॐ अवपुःसङ्गसमुद्भवायै नमः ।
८९८ ॐ श्रीफलायै नमः ।
८९९ ॐ श्रीमत्यै नमः ।
९०० ॐ श्रीशायै नमः ।
९०१ ॐ श्रीनिवासायै नमः ।
९०२ ॐ हरिप्रियायै नमः ।
९०३ ॐ श्रीधर्यै नमः ।
९०४ ॐ श्रीकर्यै नमः ।
९०५ ॐ कम्प्रायै नमः ।
९०६ ॐ श्रीधरायै नमः ।
९०७ ॐ ईशवीरण्यै नमः ।
९०८ ॐ अनन्तदृष्ट्यै नमः ।
९०९ ॐ अक्षुद्रायै नमः ।

११० ॐ धात्रीशायै नमः।
१११ ॐ धनदप्रियायै नमः।
११२ ॐ दैत्यसिंहानां निहन्त्र्यै नमः।
११३ ॐ सिंहिकायै नमः।
११४ ॐ सिंहवाहिन्यै नमः।
११५ ॐ सुसेनायै नमः।
११६ ॐ चन्द्रनिलयायै नमः।
११७ ॐ सुकीर्त्यै नमः।
११८ ॐ छिन्नसंशयायै नमः।
११९ ॐ बलज्ञायै नमः।
१२० ॐ बलदायै नमः।
१२१ ॐ वामायै नमः।
१२२ ॐ लेलिहानायै नमः।
१२३ ॐ अमृतस्त्रवायै नमः।
१२४ ॐ नित्योदितायै नमः।
१२५ ॐ स्वयंज्योत्यै नमः।

१२६ ॐ उत्सुकायै नमः।

१२७ ॐ अमृतजीविन्यै नमः।

१२८ ॐ वज्रदंष्ट्रायै नमः।

१२९ ॐ वज्रजिह्वायै नमः।

१३० ॐ वैदेह्यै नमः।

१३१ ॐ वज्रविग्रहायै नमः।

१३२ ॐ मङ्गल्यायै नमः।

१३३ ॐ मङ्गलायै नमः।

१३४ ॐ मालायै नमः।

१३५ ॐ मलिनायै नमः।

१३६ ॐ मलहारिण्यै नमः।

१३७ ॐ गान्धर्व्यै नमः।

१३८ ॐ गारुड्यै नमः।

१३९ ॐ चान्द्र्यै नमः।

१४० ॐ कम्बलाश्वतर-
प्रियायै नमः।

१४१ ॐ सौदामन्यै नमः।
१४२ ॐ जनानन्दायै नमः।
१४३ ॐ भ्रुकुटीकुटिलाननायै नमः।
१४४ ॐ कर्णिकारकरायै नमः।
१४५ ॐ कक्षायै नमः।
१४६ ॐ कंसप्राणापहारिण्यै नमः।
१४७ ॐ युगंधरायै नमः।
१४८ ॐ युगावर्तायै नमः।
१४९ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
१५० ॐ हर्षवर्धिन्यै नमः।
१५१ ॐ प्रत्यक्षदेवतायै नमः।
१५२ ॐ दिव्यायै नमः।
१५३ ॐ दिव्यगन्धायै नमः।
१५४ ॐ दिवापरायै नमः।
१५५ ॐ शक्रासनगतायै नमः।
१५६ ॐ शाक्र्यै नमः।

१५७ ॐ साध्व्यै नमः।
१५८ ॐ नार्यै नमः।
१५९ ॐ शवासनायै नमः।
१६० ॐ इष्टायै नमः।
१६१ ॐ विशिष्टायै नमः।
१६२ ॐ शिष्टेष्टायै नमः।
१६३ ॐ शिष्टाशिष्ट-प्रपूजितायै नमः।
१६४ ॐ शतरूपायै नमः।
१६५ ॐ शतावर्तायै नमः।
१६६ ॐ विनीतायै नमः।
१६७ ॐ सुरभ्यै नमः।
१६८ ॐ सुरायै नमः।
१६९ ॐ सुरेन्द्रमात्रे नमः।
१७० ॐ सुद्युम्नायै नमः।
१७१ ॐ सुषुम्णायै नमः।

१७२ ॐ सूर्यसंस्थितायै नमः।
१७३ ॐ समीक्षायै नमः।
१७४ ॐ सत्प्रतिष्ठायै नमः।
१७५ ॐ निवृत्त्यै नमः।
१७६ ॐ ज्ञानपारगायै नमः।
१७७ ॐ धर्मशास्त्रार्थ-
कुशलायै नमः।
१७८ ॐ धर्मज्ञायै नमः।
१७९ ॐ धर्मवाहनायै नमः।
१८० ॐ धर्माधर्मविनिर्मात्र्यै नमः।
१८१ ॐ धार्मिकाणां शिवप्रदायै नमः।
१८२ ॐ धर्मशक्त्यै नमः।
१८३ ॐ धर्ममय्यै नमः।
१८४ ॐ विधर्मायै नमः।
१८५ ॐ विश्वधर्मिण्यै नमः।
१८६ ॐ धर्मान्तरायै नमः।

१८७ ॐ धर्ममध्यायै नमः।

१८८ ॐ धर्मपूर्वायै नमः।

१८९ ॐ धनप्रियायै नमः।

१९० ॐ धर्मोपदेशायै नमः।

१९१ ॐ धर्मात्मने नमः।

१९२ ॐ धर्मलभ्यायै नमः।

१९३ ॐ धराधरायै नमः।

१९४ ॐ कपाल्यै नमः।

१९५ ॐ शाकलामूर्त्यै नमः।

१९६ ॐ कलाकलित-
विग्रहायै नमः।

१९७ ॐ सर्वशक्ति-
विनिर्मुक्तायै नमः।

१९८ ॐ सर्वशक्त्याश्रया-
श्रयायै नमः।

१९९ ॐ सर्वस्यै नमः।

१००० ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
१००१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१००२ ॐ सुसूक्ष्मायै नमः।
१००३ ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः।
१००४ ॐ प्रधानपुरुषेशान्यै नमः।
१००५ ॐ महापुरुषसाक्षिण्यै नमः।
१००६ ॐ सदाशिवायै नमः।
१००७ ॐ वियन्मूर्त्यै नमः।
१००८ ॐ देवमूर्त्यै नमः।
१००९ ॐ अमूर्तिकायै नमः।

इत्यार्षे श्रीमद्रामायणे वाल्मीकीये आदिकाव्ये अद्भुतोत्तरकाण्डे श्रीसीतासहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा।



॥ श्रीहरि: ॥

गीताप्रेस, गोरखपुरसे प्रकाशित विभिन्न गीताएँ

(१) **श्रीमद्भगवद्गीता-तत्त्व-विवेचनी**—(टीकाकार— **श्रीजयदयाल गोयन्दका**) गीता-विषयक २५१५ प्रश्न और उनके उत्तरके रूपमें विवेचनात्मक टीकाके कई संस्करण—

(क) **बृहदाकार**—मोटे टाइपोंमें।
(ख) **ग्रन्थाकार**—विशेष संस्करण।
(ग) **ग्रन्थाकार**—सामान्य संस्करण
(च) संस्कृतमें श्लोक, अंग्रेजीमें व्याख्या।
(ङ) **ग्रन्थाकार**—तमिल, तेलगू, ओडिआ, कन्नड़, गुजराती, मराठी, बंगला अनुवाद

(२) **गीत-साधक-संजीवनी**—परिशिष्टसहित (टीकाकार— **स्वामी रामसुखदासजी**) गीताके मर्मको समझने-हेतु व्याख्यात्मक शैली एवं सरल, सुबोध भाषामें टीका—

(क) **बृहदाकार**—मोटे टाइपोंमें।
(ख) **ग्रन्थाकार**—विशेष संस्करण हिन्दी।
(ग) **ग्रन्थाकार**—सामान्य संस्करण
(घ) **ग्रन्थाकार**—गुजराती अनुवाद।
(ङ) **पुस्तकाकार**—अंग्रेजी अनुवाद— दो खंडोंमें।
(च) **ग्रन्थाकार**—बंगला अनुवाद।
(छ) **ग्रन्थाकार**—ओडिआ।

(३) **गीता-दर्पण**—(**स्वामी रामसुखदासजीद्वारा**) गीताके तत्त्वोंपर प्रकाश, लेख, गीता-व्याकरण और छन्द-सम्बन्धी गूढ़-विवेचन, सचित्र, सजिल्द। (ग्रन्थाकार हिन्दी, मराठी, बँगला, गुजराती तथा ओडिआ संस्करण भी उपलब्ध है।)

(४) **गीता शांकरभाष्य**—गीतापर आचार्य शंकरका भाष्य।

(५) **गीता रामानुजभाष्य**—गीतापर आचार्य रामानुजका भाष्य।

(६) **ज्ञानेश्वरी गीता**—(क) **ग्रन्थाकार**—गूढ़ार्थ-दीपिका, (मराठी) (ख) मूल मझला परायणप्रति (मराठी
(ग) मूल गुटका परायणप्रति (मराठी)

(७) **गीता-माधुर्य**—स्वामी रामसुखदासजीद्वारा सरल प्रश्नोत्तर शैलीमें हिन्दी, तमिल, मराठी, गुजराती, उर्दू, नेपाली, बँगला, असमिया, ओडिआ, संस्कृत एवं अंग्रेजी अनुवाद भी उपलब्ध हैं।

(८) **गीता-चिन्तन**—(ले०— श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दार)

(९) **गीता-अन्वयार्थ** —(पॉकेट साइज) (साधक-संजीवनीके अनुसार अन्वय और हिन्दी अर्थसहित)

(१०) **श्रीमद्भगवद्गीता-पदच्छेद**—(मूल, अन्वय, भाषाटीकासहित) हिन्दी, गुजराती, बँगला, मराठी, कन्नड़, तेलगु, तमिल।

(११) **श्रीमद्भगवद्गीता**-(श्लोक, अर्थ तथा प्रत्येक अध्यायके माहात्मयसहित) हिन्दी, मराठीमें उपलब्ध।

(१२) **श्रीमद्भगवद्गीता**-(सटीक) मोटे अक्षरोंमें आकर्षक बहुरंगा आवरणसहित। हिन्दी, तेलुगु, ओडिआ, कन्नड़ एवं तमिल।

(१३) **श्रीमद्भगवद्गीता**-केवल भाषा। (हिन्दी, तेलुगु, तमिल) (हिन्दीमें पॉकेट साइजमें भी)।

(१४) **श्रीमद्भगवद्गीता**-भाषाटीका गुटका (हिन्दी, अंग्रेजी, असमिया, ओडिआ, तेलुगु, कन्नड़, मराठी बँगला एवं गुजराती) (हिन्दी, गुजराती एवं अंग्रेजीके सजिल्द संस्करण भी)।

(१५) **श्रीपञ्चरत्नगीता**—गीता, विष्णुसहस्रनाम, भीष्मस्तवराज, अनुस्मृति, गजेन्द्रमोक्ष (मोटे अक्षरोंमें केवल मूल पाठ) ओडिआ।

(१६) **गीता मूल**—मोटा टाइप (मोटे अक्षरोंमें, केवल मूल पाठ।)

(१७) **गीता मूल विष्णुसहस्रनामसहित**—(नित्य-स्तुतिसहित विशेष संस्करण संस्कृत, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, ओडिआ एवं मलयालममें भी)।

(१८) **गीता रोमन**—संस्कृतमें श्लोक, रोमनमें मूल एवं अंग्रेजी अनुवाद।

(१९) **गीता ताबीजी मूल**—(क) माचिस-आकार (हिन्दी, बंगला)। (ख) सम्पूर्ण गीता एक पन्नेमें। (ग) लघु आकार (हिन्दी, ओडिआ)।

(२०) **गीता-ज्ञान-प्रवेशिका**—गीता-व्याकरणका ज्ञान करानेवाली शोधपरक पुस्तक।

(२१) **गीता-दैनन्दिनी**—सम्पूर्ण गीता एवं अनेक उपयोगी सूचनाएँ और जीवनपयोगी सूत्र।